ISSN: 2705-4810

# साहित्यलोक

भाषा, साहित्य, संस्कृति और साहित्यिक सिद्धान्त की अनुसंधानपरक शोध पत्रिका

वर्ष ४० । अंक १ । सम्वत् २०७६ । पूस (सन् २०२० ई.)

हिन्दी केन्द्रीय विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, कीर्तिपुर ।

# विषय-सूची


| क्र.सं. | रचना-शीर्षक | लेखक | पृ.सं |
|---|---|---|---|
| १. | श्रद्धा में लज्जा और उसका मनोवैज्ञानिक विवेचन | डॉ.संगीता वर्मा | २ |
| २. | प्रसाद के काव्यों में प्रकृति चित्रण: एक दृष्टि | सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता | ८ |
| ३. | प्रसाद ने नाटकों में सांस्कृतिक तथा नवीन मूल्यों की तलाश | कुमार सच्चिदानन्द सिंह | १३ |
| ४. | देशप्रेम की अद्भुत भावना पुंज : **स्कन्दगुप्त** | श्वेता दीप्ति | २२ |
| ५. | **ध्रुवस्वामिनी** और प्रसाद | मंचला झा | २९ |
| ६. | नारी स्वाभिमान का सुन्दर दस्तावेज **ध्रुवस्वामिनी** | पूनम झा | ३६ |
| ७. | **कामायनी** महाकाव्य में निहित नीतिगत चेतना | अंजना सिंह | ४१ |
| ८. | प्रसाद दर्शन | डिल्लीराम शर्मा | ५२ |
| ९. | **कंकाल** और **तितली** उपन्यासों में चित्रित सामाजिक चेतना | विनोदकुमार विश्वकर्मा 'विमल' | ५७ |
| १०. | **कामायनी**: सामाजिक मूल्यों का अध्ययन | कुमारी लक्ष्मी जोशी | ६४ |
| ११. | **कामायनी** में अभिव्यंजित दर्शन-पक्ष | मौसमी सिंह (तिवारी) | ६८ |
| १२. | मुक्तिबोध की नजरों में **कामायनी** : एक विवादास्पद रचना | कंचना झा | ७७ |
| १३. | प्रसाद की **'लहर'** में प्रेम का निरूपण | अंशु कुमारी झा | ८१ |
| १४. | ग्राम स्वराज के परिप्रेक्ष्य में **तितली** | रुचि शाह | ८६ |
| १५. | जयशंकर प्रसाद के नाटको में नारी चित्रण | रूपम पाठक | ९२ |
| १६. | प्रेम और आनन्द के कवि जयशंकर 'प्रसाद' | गोपाल अश्क | ९८ |
| १७. | **कामायनी**: एक कालजयी रचना | डॉ मुक्ता | १०८ |
| १८. | शोध प्रविधि Research Methodology | देवशंकर नवीन | ११५ |